चैत्र महोत्सव के मेले में राजस्थानी नृत्य की शानदार प्रस्तुति

खाचरौद। चैत्र महोत्सव में नगर पालिका द्वारा मां चामुण्डा माता परिसर में आयोजित किये जाने वाले 9 दिवसीय मेले में प्रतिदिन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

उक्त जानकारी मुख्य नपा अधिकारी रवि गुप्ता ने बताया कि नगर पालिका द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रि में मां चामुण्डा माता मंदिर परिसर पर 9 दिवसीय भव्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 21 मार्च को भव्य राजस्थानी नृत्य एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान से आये कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक नृत्य एवं भजनों की प्रस्तुति दी। जिसे उपस्थित नागरिको द्वारा खूब सराहा व भजनों पर जमकर श्रोता थिरके। मेले में नागरिको के मनोरंजन के लिए आकर्षक झूला चकरी एवं खानपान की दुकानें लगाई गई है।कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राधेश्याम बम्बोरिया द्वारा माताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित कर किया गया। साथ ही समस्त कलाकारों का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया।

22 मार्च को चंटिया डांडिया का आयोजन

मेले में 22 मार्च को चंटिया फैंसी डांडिया का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नगर के नागरिकों द्वारा मेले में उपस्थित होकर डांडिया खेला। एक से बढ़कर एक फैंसी वेशभूषा में पधारे नगर के कलाकारों की उपस्थित जनों द्वारा खूब सराहना की। अंत में नगर पालिका द्वारा बेस्ट फैंसी ड्रेस को सम्मानित किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी गुप्ता द्वारा बताया कि मेले में 23 मार्च को मेला मंच से भव्य भजन संध्या का आयोजन स्वरांजलि ग्रुप के कलाकारों द्वारा की जाएगी।

भिक्खु संघ ने किया एशिएंट बुद्धिज्म के 13वें अंक का विमोचन

▸ विवाह संस्कार पर उज्जैन के भिक्खु डॉ. सुमेध थेरो का लेख प्रकाशित

उज्जैन। भिक्खु संघ द्वारा एशिएंट बुद्धिज्म पत्रिका के 13वें अंक का विमोचन किया गया। इस विशेष अंक में बौद्ध धर्म, दर्शन और संस्कृति से जुड़े विभिन्न विषयों पर विद्वानों के महत्वपूर्ण लेख शामिल किए गए हैं।

अंक में विवाह संस्कार विषय पर विश्वास भिक्खु उपाली थेरो एवं भिक्खु डॉ. सुमेध थेरो का लेख प्रकाशित हुआ है। साथ ही बुद्ध और भक्ति एवं श्रद्धा पर सुनिल कांबळे, धम्म पथ पर मेरी विदेश यात्राएं पर भिक्खु डॉ. सुमेध थेरो तथा मथुरा में बुद्ध का आगमन और उनके बिचार विषय पर उमेश पाल सिंह के लेख शामिल हैं। इसके अतिरिक्त हो-ची-मिन्ह शहर का देश वियतनाम और मेरी विदेश यात्रायें पर प्रो. कालीचरण स्नेही, वियतनाम के हो ची मिंन शहर में यूएनडीवी 2025 सम्मेलन की यादें पर प्रोफेसर डॉ. प्रेमराज खनखने और वियतनाम में 20वीं यूनाइटेड नेशन्स वेसाक डे 2025 में भागीदारी पर उज्जैन के डॉ. हरी बाबू कटारिया ने विस्तृत लेख प्रस्तुत किए हैं।

पत्रिका में थाइलैण्ड एवं वियतनाम की यात्रा पर दिल्ली के आचार्य बिजय वीर सिंह, भारत में बुद्धिस्ट कम्युनिटी के निर्माण की जरुरत क्यों विषय पर प्रोफेसर डॉ. धर्मेन्द्र कुमार तथा मेरा वियतनाम का सफर अंर्तराष्ट्रीय वैशाख दिवस बुद्धिस्ट सम्मेलन 2025 मेजबान देश वियतनाम पर डॉ. सुरेश बाबू के लेख भी शामिल किए गए हैं।

इस विमोचन अवसर पर भिक्खु करुणानंद, भिक्खु डॉ. राहुल बोधी महाथेरो, प्रज्ञादीप महाथेरो, इलाहाबाद के भिक्खु देवानन्द वर्धन, लखनऊ के जितेन्द्र वर्धन, बुद्ध प्रकाश, धम्म कीर्ति, दिल्ली के सूर्या बोधी, धम्मानंद विवेचन, पूना के भंते धम्मधर, नांदेड़ के सुभूति थेरो और वीरतन थेरो सहित सैकड़ों बौद्ध भिक्खु और भिक्खुनियों ने भाग लिया।

एक नजर में

अहंकार सब कुछ कर देता है समाप्त...

इंदौर. भगवान महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर महावीर कथा की मंत्रमुग्ध, भावपूर्ण, कथा को भगवान महावीर से जोड़ते हुए महासाध्वी मुक्ता महाराज सा. ने महावीर भवन मे महावीर कथा का शुभारंभ किया. महावीर के प्रति कूट कूट कर भरी हुई आस्था विश्वास और श्रद्धा का अद्भुत और दिव्य नजारा देखने को मिला. महावीर कथा को प्रारंभ करने के पहले महासती ने फरमाया की पत्नी वो है जो संसार से जोड़े, धर्मपत्नी वो है जो धर्म से जोड़े और जो सबको साथ लेकर चलते है, और काम करते है तो उसे अहंकार नहीं आता है. भगवान् महावीर के जन्म से लेकर निर्वाण तक की जीवन यात्रा को कथा के रूप मे अत्यंत ही भाव भक्ति और अहोभाव से प्रस्तुत करते हुए कहा जिस व्यक्ति को अहंकार आ जाये तो उसका सबकुछ समाप्त हो जाता है. पद के मद में, धन के मद में, परिवार के मद में जिसको भी अहंकार नही आता एवं अहंकार विहीन व्यक्ति ही भगवान महावीर का कृपा पात्र रहता है जिस पर महावीर की कृपा हो वो ही सर्वश्रेष्ठ और सर्वमान्य होता है. महावीर कथा आने वाले 10 दिनों तक निरंतर महावीर भवन में प्रात: 9 बजे से 10 बजे तक चलने वाली है. आज की धर्मसभा में रमेश भंडारी, राजकुमार पंजाबी, हंसकुमार जैन, अभय झेलावत, पदम तांतेड़, महेन्द डागरिया, समरथ मल कोठारी, मनोज मारु, आदि बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाए उपस्थित थे सभी का आभार राजकुमार जैन पंजाबी ने माना एव संचालन सुभाष विनायका ने किया.

युवा सम्मेलन में सतत विकास, नवाचार पर मंथन

इंदौर. युवा शक्ति, नवाचार और सतत विकास के विचारों को एक साथ मंच पर साकार करते हुए जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में दो दिवसीय राष्ट्रीय युवा सम्मेलन शुरू हुआ. जिसका विषय है - रिवोल्यूशनाइजिंग इनोवेशन फॉर ए सस्टेनेबल इकोनॉमी. यह जानकारी देते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. दीपांकर चक्रवर्ती ने बताया कि सम्मेलन में देश विदेश से आए शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने विचार मंथन किया. कॉन्फ्रेंस चेयरमैन एवं डीन रिसर्च डॉ. अमय कुमार मोहपात्र ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि युवाओं को वर्तमान समय के परिवर्तनकारी नेतृत्व को लेकर चलना होगा, साथ ही सतत विकास के साथ जिम्मेदार नवाचार को जोड़ने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया है. मुख्य अतिथि डॉ. आनंद एस ने अंतरराष्ट्रीय परिपेक्ष्य प्रस्तुत करते हुए सतत आर्थिक विकास के लिए वैश्विक सहयोग की महत्ता बताई. तकनीकी सत्रों में डॉ. आर. के. चंदानी, डॉ. शुभम सिंघानिया, डॉ. वरदा सरदाना, मनोहर कापसे एवं डॉ. एम संजीव ने प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया. पद्मश्री सम्मानित लोकगायक कालुराम बामनिया और उनकी टीम ने लोकगीतों की प्रस्तुति दी. उद्घाटन सत्र में डॉ. नंदीश वी हीरेमथ एवं डॉ. आशुतोष मंडापे ने अपने विचार साझा किए. वरिष्ठ शोधकर्ता डॉ. सुनील कुमार ने शिक्षा अनुसंधान और पर्यावरण संतुलन के बीच समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया.

शक्ति पूजा से होता है पापों का अंत

इंदौर. नवरत्न बाग स्थित श्री विजय मारुति हनुमान मन्दिर में महंत मंगलदास महाराज खाकी के सानिध्य में चैत्र नवरात्रि उत्सव हर्षो ल्लास के साथ मनाया जा रहा है. मन्दिर में स्थापित महादुर्गा, मां कालिका और महा सरस्वती माता का रोजाना सुंदर मनोहारी श्रृंगार किया जा रहा है. विशेष पूजा, अर्चना और जप -यज्ञ के कार्यक्रम हो रहे है. दिन भर दर्शन करने वाले भक्तों की भीड़ बनी रहती है. महंत मंगल दास महाराज ने कहा कि नवरात्रि में शक्ति की पूजा करने से भक्तों को कई गुना अधिक फल मिलता है। मनुष्यों के पापों का अंत होता है. प्रवीण जोशी ने बताया कि भक्तों की बढ़ती संख्या को देखते मन्दिर देर तक खुला रहता है.

सफाई मित्रों को भेंट किए फल एवं उपहार

इंदौर. बाणगंगा क्षेत्र के मुखर्जी नगर से केन्द्रीय साईं सेवा समिति की मेजबानी में निकली साईं पालकी यात्रा और प्रभात फेरी का शनिवार को क्षेत्र में घर-घर रंगोली, दीपक एवं पुष्प सज्जा कर आत्मीय स्वागत किया गया. शहर के 200 से अधिक साईं मंदिरो से जुड़े भक्तों ने मुखर्जी नगर में सफाई मित्रों को आमंत्रित कर उन्हें फल एवं उपहार भी भेंट किए. क्षेत्र के पार्षद राधू जायसवाल के निवास पर बाबा की पालकी के पूजन में पार्षद विजय परमार, पूर्व पार्षद भूपेंद्र चौहान सहित सैकड़ों साईं भक्तों ने नाचते गाते हुए अपनी भागीदारी दर्ज कराई. साईं भक्तों ने आज भी जगह-जगह मूक परिंदों को ग्रीष्म काल में दाना-पानी देने के लिए सकोरे भेंट किए. इस दौरान समूचा क्षेत्र बाबा के जयघोष से गुंजायमान बना रहा.

ध्वज चल समारोह निकालकर प्रेम, भाईचारा और सनातन परंपराओं को जीवित रखने का दिया संदेश

उज्जैन। गोलामंडी स्थित हनुमान मंदिर से सिंहस्थ अखाड़ा, गोलामंडी के नेतृत्व में पारंपरिक ध्वज चल समारोह निकाला गया। चल समारोह प्रारंभ होने से पूर्व हनुमान जी की विधिवत आरती की गई, जिसके पश्चात उत्साह और श्रद्धा के साथ यात्रा शुरू हुई।

इस दौरान बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन एवं युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक सोनू मालवीय एवं रोहित मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि ध्वज चल समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं मध्य प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष नारायण यादव, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, रूपा पहलवान सुधाकर राव मराठा एवं निशांत यादव उपस्थित रहे। गोलामंडी का यह पारंपरिक ध्वज चल समारोह राष्ट्रीय गेर के नाम से प्रसिद्ध है, जो कई वर्षों से उज्जैन में निरंतर आयोजित किया जा रहा है। चल समारोह के माध्यम से समाज के सभी वर्गों ने प्रेम, भाईचारा एवं हिंदू धर्म की परंपराओं को जीवित रखने का संदेश दिया। यह चल समारोह गोलामंडी से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुन: गोलामंडी पहुंचकर संपन्न हुआ। गेर के मुख्य आकर्षणों में 21 ढोल, 21 ध्वज, 3 बैंड, 2 डीजे, 3.झांकी सहित विभिन्न धार्मिक मुखौटे शामिल रहे, जिनमें इच्छापूर्ण हनुमानजी, मतंगेश्वर महादेव, देवगुरु बृहस्पति महादेव एवं सिद्धिविनायक गणेश के मुखौटे विशेष आकर्षण का केंद्र बने। इसके अतिरिक्त नृत्य करती घोड़ियां, बग्घी एवं इच्छापूर्ण हनुमानजी की पालकी भी निकाली गई।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं समाजसेवियों का संस्था द्वारा साफा बांधकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि वर्तमान समय में ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि युवा वर्ग इनसे दूर होकर नशे की ओर बढ़ रहा है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को सनातन संस्कृति से जोड़कर उन्हें सही दिशा दी जा सकती है। इस अवसर पर अमये आप्टे, लक्ष्मी नारायण, ओम अग्रवाल, विजय अग्रवाल, कन्हैयालाल घटिया, बृजमोहन मित्तल, मयूर अग्रवाल, गनी सेठ, नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, नितेश यादव, कालू भैया, सोनू पहलवान, रोहित मित्तल, सुनील बैरागी, कमल कोठारी, संजय मूंदड़ा, नट्टू नीलेश, दीपक कोठारी, श्याम शर्मा अंकित पोरवाल योगेश मालवीय, महेश त्रिपाठी, अजय राय, ऋषि गुरु ओमकार मालवीय, राजकुमार मित्तल, कुणाल मालवी, बिट्टू मालवी, राज विजय, हेमंत सूर्यवंशी पहलवान, ललित नामदेव मालवीय, राजकुमार मिश्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पूर्णिमाश्री सेवा संगठन के नि :शुल्क हृदय जांच अभियान में लगे कुल 104 शिविर

उज्जैन। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उपलब्धियों भरे ऐतिहासिक 2 वर्षों के उपलक्ष्य में पूर्णिमाश्री सेवा संगठन द्वारा जिला प्रशासन के विशेष सहयोग से उज्जैन जिले में नि:शुल्क हृदय जांच शिविर अभियान चलाया गया। इस श्रृंखला के अंतर्गत रविवार को दक्षिण विधानसभा के ग्राम तालोद में 104वां और अंतिम शिविर संपन्न हुआ। अभियान का औपचारिक समापन 25 मार्च बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे।

अभियान के मुख्य संयोजक एवं भाजपा अजा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यनारायण खोईवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा से प्रारंभ इस अभियान में आयुष्मान योजना के अंतर्गत हृदय जांच हेतु अधिसूचित अशासकीय अस्पतालों के सहयोग से उज्जैन जिले में शिविर लगाए गए। श्रृंखला में कुल 104 शिविर आयोजित किए गए। इनमें विभिन्न अस्पतालों के सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञों ने नि:शुल्क सेवाएं प्रदान कीं, जिसमें जिले के हजारों नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर उपचार व परामर्श का लाभ लिया। शिविरों के माध्यम से बाईपास सर्जरी, एंजियोप्लास्टी और एंजियोग्राफी के सफल ऑपरेशन भी नि:शुल्क किए गए।

लाभार्थियों के साथ जन्मदिन मनाएंगे मुख्यमंत्री: सत्यनारायण खोईवाल ने बताया कि अभियान का औपचारिक समापन कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्मदिवस 25 मार्च बुधवार को स्थानीय कालिदास अकादमी परिसर में सायं 5 बजे आयोजित किया जाएगा। इसमें स्वयं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शिविरों के माध्यम से उपचारित एवं स्वस्थ हुए नागरिकों के मध्य उपस्थित रहेंगे। वे उनसे संवाद करेंगे और नवजीवन में प्रवेश करने पर उनका सम्मान भी करेंगे।

तालोद में सैकड़ों लोगों ने कराई जांच

शिविरों की श्रृंखला का यह अंतिम शिविर रविवार को दक्षिण विधानसभा के ग्राम तालोद में अमलतास सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल देवास के सहयोग से संपन्न हुआ। इसमें सैकड़ों नागरिकों ने अपने हृदय की नि:शुल्क जांच कराई व विशेषज्ञों द्वारा उपचार और परामर्श का लाभ लिया।

मिनेष जयंती पर निकाला चल समारोह

▸ सैकड़ों वाहनों की रैली निकाली गई

उज्जैन। महाकाल की नगरी में 21 मार्च को मीणा समाज के आराध्य भगवान श्री मिनेष जी की जयंती पूर्ण धार्मिक हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

मप्र मीणा समाज सेवा संगठन की उज्जैन जिला इकाई के तत्वावधान में शहर में एक भव्य चल समारोह निकाला गया, जिसे लेकर जिले भर के मीणा समाज के बंधुओं में भारी उत्साह देखा गया। संगठन के जिलाध्यक्ष योगेश मीणा और महिला अध्यक्ष सुविधा प्रहलाद पटेल ने बताया कि जयंती के उपलक्ष्य में सुबह 10 बजे बापू नगर आगर रोड से ढोल-ढमाकों और आतिशबाजी के साथ भगवान श्री मिनेष जी का भव्य चल समारोह शुरू हुआ। इसमें भगवान मिनेष जी का रथ, डीजे और सैकड़ों की संख्या में दोपहिया व चार पहिया वाहन शामिल थे। यह चल समारोह मोहन नगर, धनकुटा मोहल्ला और काजीपुरा होते हुए पिपलीनाका स्थित विष्णु वाटिका पहुंचा।

विभिन्न मार्गों पर किया भव्य स्वागत

चल समारोह में बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु और माता-बहनें वाहनों पर सवार होकर शामिल हुईं। मीणा बाहुल्य क्षेत्रों सहित शहर के विभिन्न मार्गों पर इस चल समारोह का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। विष्णु वाटिका गार्डन पहुंचने के बाद कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें भगवान मिनेष जी और भगवान गणेश जी की विशेष पूजा-अर्चना व आरती की गई। इस दौरान सामाजिक उत्थान के विषयों पर विचार-विमर्श किया गया और अंत में सभी समाजजनों ने महाप्रसादी एवं भोजन ग्रहण किया। आयोजन में युवा मीणा समाज प्रदेश महामंत्री सतीश चांदा, युवा प्रदेश महामंत्री महेंद्र मीणा दादू, युवा जिलाध्यक्ष आशुतोष मीणा, उज्जैन दक्षिण अध्यक्ष सतीश खोड़ा, मधुरम मीणा, राजेश मीणा घुसिंगा, उपाध्यक्ष मुकेश मीणा, बालमुकुंद मीणा, युवा प्रदेश मंत्री दिनेश मीणा, युवा प्रदेश मंत्री कमलेश मीणा, दीपक मीणा, संतोष मीणा, शक्ति मीणा, गणेश मीणा, रंजीत मीणा, बालमुकुंद मीणा, अशोक चांदा सहित शहर व जिलेभर के स्वजातीय बंधु सपरिवार बड़ी संख्या में शामिल हुए।

एक नजर ▸ समकालीन व्यंग्य के समक्ष चुनौतियां विषय पर किया गोष्ठी और व्यंग्य पाठ

रचनाकारों के लिए विमर्श जैसे आयोजन करते हैं व्यंग्य चेतना जागृत : डॉ. अरोरा

उज्जैन। कविता और कहानी की तरह व्यंग्य में भी नए प्रयोग करना चाहिए। अब बड़े व्यंग्यों के लिए न पत्र-पत्रिकाओं के पास स्पेस है और न पाठकों के पास धैर्य। रचनाकारों के लिए विमर्श एवं व्यंग्य पाठ जैसे आयोजन खुली कार्यशाला जैसे हैं, जो व्यंग्य चेतना जागृत करते हैं।

ये विचार साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद के तत्वावधान में प्रेमचंद सृजनपीठ उज्जैन द्वारा विक्रमादित्य शोध पीठ में आयोजित समकालीन व्यंग्य के समक्ष चुनौतियां विषय पर प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. पिलकेंद्र अरोरा ने व्यक्त किए। अध्यक्षीय उद्बोधन में शशांक दुबे ने कहा कि आज समाज में नैतिक मूल्य, संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं का निरंतर क्षरण हो रहा है, ऐसे में हम यह उम्मीद कैसे करें कि कहानी, कविता और व्यंग्य का क्षरण नहीं होगा। हिंदी साहित्य लिखने, पढ़ने और सहेजने वाली पीढ़ी धीमे-धीमे दृश्य पटल से विदा ले रही है और नई अंग्रेजीदां पीढ़ी सामने आ रही है, जिसकी साहित्य में रुचि कम है। मुख्य वक्ता शांतिलाल जैन ने कहा कि व्यंग्य के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती सरोकार के गुम होने या उसके छीजते जाने की है। अग्रज व्यंग्यकारों के सम्पूर्ण वांग्मय को देखेंगे तो हम पाते हैं कि कैसे उन्होंने सामाजिक-राजनीतिक विसंगतियों पर तीखे और बौद्धिक अंदाज़ में प्रहार किए और जन-सरोकार के विषय उठाए। मुख्य वक्ता कुमार सुरेश ने कहा कि आज के व्यंग्यकारों में साहस नहीं बचा है और व्यंग्यकार जिन प्रवृत्तियों को जी रहा है, उन्हीं पर व्यंग्य लिख रहा है। व्यंग्य लेखन परिश्रम की मांग करता है।

▸ द्वितीय सत्र में हुआ व्यंग्य पाठ

द्वितीय सत्र में व्यंग्य पाठ के अध्यक्ष मंडल में प्रो. हरिमोहन बुधौलिया, मलय जैन और विजी श्रीवास्तव सम्मिलित थे। इस सत्र में जिन व्यंग्यकारों ने व्यंग्य पाठ किया उनमें डॉ. पिलकेंद्र अरोरा, कुमार सुरेश, शशांक दुबे, शान्तिलाल जैन, भोपाल के मलय जैन व विजी श्रीवास्तव, संदीप सृजन, इंदौर के ललित उपमन्यु, रमेशचंद्र शर्मा, डॉ. हरीशकुमार सिंह, प्रेमचन्द द्वितीय, महिदपुर के जगदीश ज्वलंत, रतलाम के आशीष दशोत्तर और राजेन्द्र देवधरे दर्पण सम्मिलित थे।आयोजन का शुभारंभ डॉ. अनामिका सोनी की सरस्वती वंदना से हुआ। अतिथियों का स्वागत प्रेमचंद सृजनपीठ उज्जैन के निदेशक मुकेश जोशी, दिनेश दिग्गज, देवेन्द्र सिंह सिसोदिया, केशव पंडया और डॉ. स्वामीनाथ पांडे ने किया। विमर्श सत्र में डॉ. रमण सोलंकी, बीके शर्मा, डॉ. संदीप नाडकर्णी, डॉ. शेखर मेदमवार, डॉ. रमेश चान्नोसिया प्रभात, डॉ. उर्मि शर्मा, मुकेश तिवारी, दिनेश रावल और राजेश राज उपस्थित थे। प्रथम सत्र का आभार प्रदर्शन मुकेश जोशी और द्वितीय सत्र में आभार दिनेश दिग्गज ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हरीशकुमार सिंह ने किया।